DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu @ gmail. Com
8294392191

क्रॉमवेल के संवैधानिक सुधार — V

पार्लियामेंट की बैठक को हर तीन महिने के बाद बुलाने की बात थी। जिस व्यक्ति के पास 200 पौंड की संपत्ति थी उन सब को वोट देने का अधिकार प्रदान किया गया। सरकारी कोष के लिए वार्षिक आमदनी की भी योजना थी। अतः इंग्लैंड में सैनिक शासन का श्रीगणेश हो गया।

Military Government : क्रॉमवेल ने पार्लियामेंट को भंग कर फिर से सैनिक शासन को ही अपनाने लगा। उसने अपने सारे राज्य को 11 सैनिक जिलों में बाँट दिया। प्रत्येक भाग प्रान्त कहलाया। प्रान्त का शासन मेजर जनरल को दिया गया जो प्रान्त का उच्च अधिकारी होता था। उसके अधिकार वास्तव में असीमित थे। सभी प्रान्त के मेजर ने 10 कर लगाया गया जिसको मुख्य रूप से राजा के अनुयायी को ही देना पड़ता था। मगर जो इस कर को नहीं देते थे उन सबों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाती थी जिससे सैनिक शासन तुरन्त बदनाम हो गया। सर्वत्र उसे लोग गाली देने लगे। जब क्रॉमवेल ने देखा कि उसके सैनिक शासन के विरुद्ध आवाज बुलंद हो रही है तो अंत में विवश होकर अपनी एक दूसरी पार्लियामेंट की बैठक को जल्दी बुलायी।